सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 90 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 4 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

मैं अपने खुद के प्रयासों से 100 प्रतिशत कमाने की बजाये 100 लोगों के प्रयासों से 1प्रतिशत कमाना चाहूंगा।
-जॉन डी. रॉकफेलर

प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई ... 7 | यूपी में नेता जी पहुंचे द्वारे... 3 | मां ने भरोसे के साथ मुझे परिवार... 2

प्रज्वल रेवन्ना मामले में राहुल का भाजपा पर बड़ा हमला

अमित शाह को दिसंबर से थी सेक्स स्कैंडल की जानकारी

» राहुल ने सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिख पीड़ितों की हर संभव मदद की कही बात

» चुनावी मौसम में भाजपा के लिए गले की फांस बना रेवन्ना स्कैंडल

» महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस बीजेपी पर हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जनता दल सेक्युलर के सांसद प्रज्वल रेवन्ना का सेक्स स्कैंडल सामने आने के बाद अब चुनावी माहौल में भाजपा व जेडीएस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कर्नाटक में भाजपा ने जेडीएस के साथ समझौता किया है। यही कारण है कि अब इतने बड़े सेक्स स्कैंडल के सामने आने के बाद भाजपा भी सवालों के घेरे में है और विपक्ष इस मुद्दे को लेकर बीजेपी पर पूरी तरह से हमलावर है। अब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस मामले को लेकर कर्नाटक की सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिखा है।

हालात ये हो गए हैं कि रेवन्ना का स्कैंडल सिर्फ कर्नाटक तक ही सीमित न रहकर पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है और कांग्रेस ने इस मुद्दे को महिलाओं की सुरक्षा से जोड़कर भाजपा व पीएम मोदी को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। अब ये मामला पूरे देश में बीजेपी की खटिया खड़ी करने लगा है। इस मामले को लेकर कांग्रेस काफी आक्रामक रुख अपना रही है। अब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर मामले में हर संभव मदद करने की बात कही है। साथ ही राहुल ने पीएम नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा है।

मणिपुर से लेकर हरियाणा तक महिलाओं पर हो रहे अत्याचार

इस दौरान राहुल गांधी ने आगे कहा कि हरियाणा में महिला पहलवानों के साथ यौन शौषण से लेकर मणिपुर तक हमारी बहनों पर इस सरकार में अत्याचार हो रहा है। ऐसा पहले मैंने कभी नहीं देखा। राहुल ने कर्नाटक के सीएम को संबोधित करते हुए कहा कि हालांकि मैं जानता हूं कि आपने एसआईटी गठित की है और पीएम से भी आपने प्रज्वाल का डिप्लोमेटिक पासपोर्ट रद्द करने की मांग की है, लेकिन कांग्रेस पार्टी की ये जिम्मेदारी है की वह पीड़ितों के लिए लड़े, मुख्यमंत्री जी आप इस मामले में पीड़ितों की हर संभव मदद करिए।

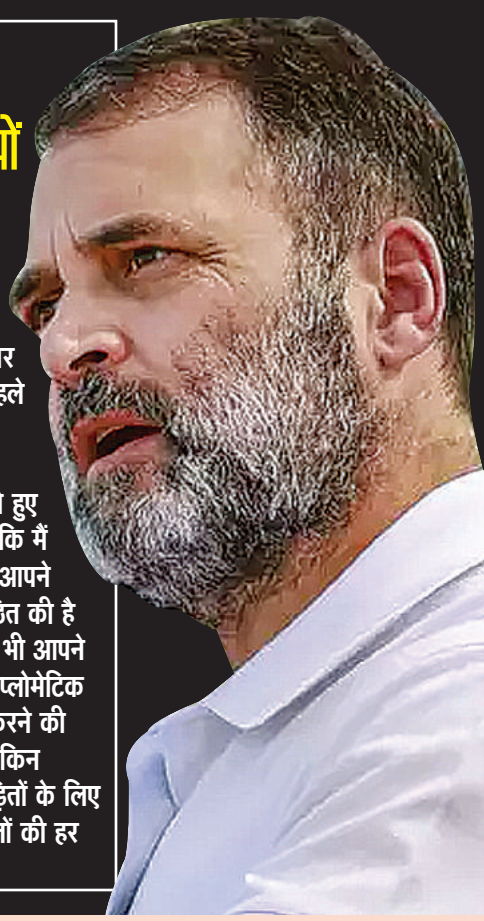

राहुल ने प्रज्वल को बताया मास रेपिस्ट

सिद्धरामैया को लिखी चिट्ठी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रज्वल को मास रेपिस्ट बताते हुए पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला और दावा किया कि अमित शाह को दिसंबर से ही इस पूरे मामले की जानकारी थी। इसके बाद भी पीएम ने प्रज्वल के लिए प्रचार किया और बाद में देश से भागने में उसकी मदद की। राहुल ने कर्नाटक के सीएम को इस मामले के पीड़ितों के साथ खड़े होने और हर संभव मदद पहुंचाने का अनुरोध किया है। राहुल ने लेटर में लिखा है कि उसने (प्रज्वल) सैंकड़ों माताओं और बहनों का बलात्कार किया, उनके जीवन को तहस नहस कर दिया। मैं ये सुनकर चौंक गया कि देवराज गौड़ा ने दिसंबर 2023 में गृह मंत्री अमित शाह को प्रज्जवल कांड के बारे में बताया था। उससे भी दुखद बात ये है कि ये सब जानने के बावजूद पीएम मोदी ने उसके लिए चुनाव प्रचार किया। पीएम मोदी ने मास रेपिस्ट के लिए चुनाव प्रचार किया।

आज शाम तक नोटिस का जवाब दें रेवन्ना

वहीं दूसरी ओर कई महिलाओं से यौन शोषण के आरोप झेल रहे पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उनके खिलाफ अब दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज हो गया है। वहीं, प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना के खिलाफ एक बार फिर लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। इसकी जानकारी खुद गृह मंत्री जी परमेश्वर ने दी। गृह मंत्री परमेश्वर ने बताया कि हमने एचडी रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना दोनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। हमने एचडी रेवन्ना को लुकआउट नोटिस जारी किया था क्योंकि वह विदेश जाने की योजना बना सकते हैं। लेकिन दूसरा नोटिस कल दिया गया। उनके पास नोटिस का जवाब देने के लिए आज शाम तक का समय है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि रेवन्ना ने मैसूर अपहरण मामले में भी जमानत की अर्जी लगाई है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

एचडी रेवन्ना के आवास पर पहुंची एसआईटी टीम

मामले में एसआईटी टीम आज प्रज्वल रेवन्ना के पिता एचडी रेवन्ना के आवास पर पहुंची है। प्रज्वल रेवन्ना के पिता एचडी रेवन्ना पर भी यौन उत्पीड़न और अपहरण का आरोप है। एसआईटी की टीम पीड़ित महिला को लेकर हासन जिले के हौलेनारासीपुरा स्थित रेवन्ना के आवास पर पहुंची। जांच टीम एक डीवाईएसपी, दो इंस्पेक्टर और एक पुलिस कॉन्स्टेबल के साथ एसआईटी पीड़िता के साथ-साथ स्थानीय पुलिस के साथ मौके पर पहुंची है। पंचनामा के बाद पुलिस मौके पर ही पीड़िता का बयान दर्ज करेगी। वहां रेवन्ना की पत्नी भवानी समेत रेवन्ना के वकील और कुछ जेडीएस नेता मौजूद थे। इससे पहले प्रज्वल रेवन्ना मामले पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने टॉप पुलिस अधिकारियों और एसआईटी टीम के साथ इमरजेंसी मीटिंग की थी। महिला अधिकार समूहों की 700 से ज्यादा महिलाओं ने राष्ट्रीय महिला आयोग को पत्र लिखकर प्रज्वल और एचडी रेवन्ना के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह अभियान गूगल फॉर्म के जरिए चलाया गया। इस पत्र पर 701 महिलाओं के हस्ताक्षर हैं। उन्होंने एचडी रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है और गुजारिश की है कि दिसंबर 2023 से प्रज्वल रेवन्ना की आपराधिक गतिविधियों के बारे में सत्तारूढ़ दल को उपलब्ध जानकारी के बारे में पूछताछ करने के लिए बीजेपी अध्यक्ष को समन जारी करना होगा। एनसीडब्ल्यू एक विधायक के रूप में एचडी रेवन्ना को अयोग्य ठहराने की सिफारिश करेगी, साथ ही यह सुनिश्चित करने की भी मांग करेगी कि प्रज्वल रेवन्ना को सांसद के रूप में कार्यभार संभालने की छूट न दी जाए, भले ही वह लोकसभा चुनाव जीत जाए।

मां ने भरोसे के साथ मुझे परिवार की कर्मभूमि सौंपी : राहुल गांधी

» रायबरेली से नामांकन के बाद राहुल की भावुक अपील

» प्रियंका ने बताया दशकों पुराना रिश्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लंबे सस्पेंस के बाद शुक्रवार 3 मई को नामांकन के अंतिम दिन कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीट पर अपने पत्ते खोलते हुए उम्मीदवारों का ऐलान किया। जिसके तहत अमेठी से किशोरी लाल शर्मा और रायबरेली से राहुल गांधी को पार्टी ने प्रत्याशी घोषित किया है। जिसके बाद शुक्रवार दोपहर को राहुल गांधी ने रायबरेली से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान राहुल के साथ मां सोनिया गांधी, बहन प्रियंका गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई दिग्गज मौजूद रहे।

नामांकन के बाद राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रायबरेली से नामांकन को लेकर अपने दिल की बात रखी। राहुल ने इस दौरान सोनिया गांधी के भरोसे के उन पर भरोसे और रायबरेली को कर्मभूमि के रूप में जिक्र किया। राहुल ने इस दौरान एक बार फिर संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई का जिक्र किया।

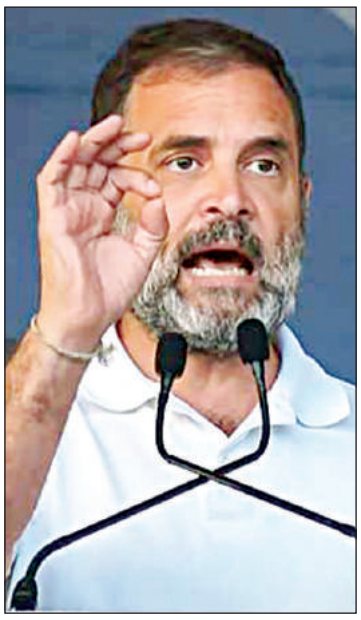

रायबरेली से स्नेह और भरोसे का रिश्ता: प्रियंका

इसके अलावा प्रियंका गांधी ने भी ट्वीट कर राहुल गांधी के नामांकन पर अपने दिल की बात कही। प्रियंका ने लिखा, कुछ दिनों पहले मां ने कहा था कि मेरा परिवार दिल्ली में अधूरा है। वह रायबरेली आकर पूरा होता है। ऐसा परिवार, जिसने कई पीढ़ियों को अपने में मिला लिया। जो दशकों तक हर उतार-चढ़ाव, सुख-दुख, संकट और संघर्ष में चट्टान की तरह हमारे साथ खड़ा रहा। यह स्नेह और भरोसे का रिश्ता है। यह सेवा और आस्था का रिश्ता भी है जो आधी सदी से अटूट है। उन्होंने आगे लिखा कि हमें यहां के लोगों से जितना प्यार, जितनी आत्मीयता और सम्मान मिला है, वह अनमोल है। परिवारिक रिश्ते की सबसे बड़ी सुंदरता ये होती है कि आप चाहकर भी कभी उसके स्नेह का कर्ज नहीं उतार पाते। प्रियंका ने आगे लिखा इस मुश्किल वक्त में, जब हम देश के लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, तो इस लड़ाई में भी हमारा पूरा परिवार दृढ़ता से हमारे साथ खड़ा है।

'मैं अपनों का आशीर्वाद मांगता हूं'

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि रायबरेली से नामांकन मेरे लिए भावुक पल था। मेरी मां ने मुझे बड़े भरोसे के साथ परिवार की कर्मभूमि सौंपी है और उसकी सेवा का मौका दिया है। अमेठी और रायबरेली मेरे लिए अलग-अलग नहीं हैं, दोनों ही मेरा परिवार हैं और मुझे खुशी है कि 40 वर्षों से क्षेत्र की सेवा कर रहे किशोरी लाल जी अमेठी से पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। अन्याय के खिलाफ चल रही न्याय की जंग में, मैं मेरे अपनों की मोहब्बत और उनका आशीर्वाद मांगता हूं। मुझे विश्वास है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में आप सभी मेरे साथ खड़े हैं।

जो अमेठी छोड़कर वायनाड चले गए वो रायबरेली के नहीं हो सकते : स्मृति ईरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। केंद्रीय मंत्री और अमेठी से सांसद स्मृति जूबिन ईरानी ने राहुल गांधी पर तंज कसा है। कहा कि अमेठी में कांग्रेस ने चुनाव के पहले ही हार मान लिया है। गांधी परिवार का अमेठी से नामांकन ना करना इस बात का संकेत कर रहा है। यदि उन्हें जीत की कोई गुंजाइश लगती तो राहुल गांधी स्वयं यहां से चुनाव लड़ते। जो अमेठी छोड़कर वायनाड चले गए वो रायबरेली के नहीं हो सकते।

सवाल यह उठता है कि वायनाड को अपना परिवार कहने वाले रायबरेली में क्या कहेंगे। मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मेहमानों का अमेठी में स्वागत है। यह तो पहले से देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वायनाड में चुनाव हो जाने के बाद गांधी परिवार कोई नई सीट चुनेगा वही हुआ।

कहा कि आज गांधी परिवार का अमेठी संसदीय

क्षेत्र से न लड़ना, इस बात का संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा-निर्देश में अमेठी में जो बहुमुखी विकास हुआ है, उसके चलते आज अमेठी की जनता यह कह रही है कि पांच साल तक भारतीय जनता पार्टी के सांसद द्वारा अभूतपूर्ण कार्य हुआ अमेठी में। कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार है। दोनों सरकारों के बीच समन्वय बनाकर हम विकास कार्य करते रहेंगे।

बिहार के लोगों के दर्द के आगे मेरा दर्द कुछ नहीं : तेजस्वी

» चुनाव प्रचार के दौरान बिगड़ी तबियत की बताई वजह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। देश में लोकसभा चुनावों को लेकर नेताओं द्वारा पूरे जोर-शोर से चुनाव प्रचार किया जा रहा है। इस बीच बिहार के अररिया में शुक्रवार को चुनावी रैली के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की तबीयत बिगड़ गई थी, उनके समर्थकों ने उन्हें संभाला और फिर गाड़ी मे बैठाकर रवाना किया।

अब तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने समर्थकों को बताय है कि उनकी तबीयत क्यों बिगड़ी। साथ ही उन्होंने हिम्मत ना हारने की बात कहते हुए समर्थकों का हौसला भी बढ़ाया।

कुछ दिनों से कमर में था दर्द: तेजस्वी

तेजस्वी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उनके कमर में दर्द थी। कल सभा के दौरान वो तकलीफ बढ़ गई थी। जिससे वो थोड़ा परेशान हो गए थे। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष ने ये भी कहा कि मेरा ये दर्द बिहार के उन करोड़ों बेरोजगार युवाओं की तकलीफ के आगे कुछ भी नहीं है, जो नौकरी-रोजगार की आस में बैठे हैं। तेजस्वी ने कहा कि महीनों से सामाजिक राजनीतिक यात्रा के कारण आराम के अभाव एवं निरंतर यात्रा के कारण दो हपते से कमर में हल्का दर्द था, दो दिन से अचानक बढ़ गया, लेकिन मेरा ये दर्द बिहार के उन करोड़ों बेरोजगार युवाओं की तकलीफ के आगे कुछ भी नहीं है, जो नौकरी-रोजगार की आस में बैठे हैं। जिनके सपनों को बीते 10 वर्षों में धर्म की आड़ में कुचला गया है। तेजस्वी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, छात्रों को पीड़ा है क्योंकि उन्हें अच्छी पढ़ाई नहीं मिल पा रही। बिहार के मेरे बुजुर्गों की पीड़ा है कि उन्हें अच्छी दवाई नहीं मिल पा रही, थाना और ब्लॉक के भ्रष्टाचार से आमजन परेशान है। हर वर्ग को पीड़ा है क्यूंकि उनके अधिकार, उनका न्याय उन्हें नहीं मिल पा रहा है। मैं इन सबों की तकलीफ में अपने आप को साझीदार मानता हूं।

हिंदू हृदय सम्राट बनने की कोशिश में पीएम मोदी : थरूर

» बोले- हाल के वर्षों में मुसलमानों का अनुभव अच्छा नहीं रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। लोकसभा चुनावों के चलते पूरे देश का सियासी तापमान काफी हाई है। नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले और बयानवाजी भी लगातार जारी है। इस बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी हिंदू हृदय सम्राट की अपनी छवि बनाने की कोशिश कर रहे हैं। तिरुवनंतपुरम से सांसद ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के पहले 2 चरणों में कुछ क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत घटा है।

उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शित करता है कि भाजपा के पारंपरिक समर्थक उसके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने कहा कि मोदी 2014 में गुजरात के विकास मॉडल को दोहराने और भ्रष्टाचार रोधी एजेंडा के साथ केंद्र की सत्ता में आए थे, जो उनके पहले कार्यकाल में ही ध्वस्त हो गया।

2019 में पुलवामा और बालाकोट पर लड़ा था चुनाव

शशि थरूर ने दावा किया कि 2019 में मोदी ने आम चुनाव पुलवामा और बालाकोट (आतंकी घटना और जवाबी हवाई हमला) पर लड़ा था। यह उनका संदेश था। अब 2019 के बाद वह ऐसा नहीं कह सकते क्योंकि मैंने कहा है कि चीन से लगे सीमावर्ती इलाके में वह नाकाम रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 2024 में केवल यह संदेश है कि प्रधानमंत्री हिंदू हृदय सम्राट हैं और मुसलमानों के बारे में भय फैलाने में शामिल हैं। यह चिंता पैदा करता है जब देश के प्रधानमंत्री इस तरह की बात करते हैं।

देश की पहचान बदलने की हो रही कोशिश

कांग्रेस नेता ने कहा कि इस तरह का संदेश भाजपा खेमे में पहले से शामिल हिंदुत्व के प्रबल समर्थक मतदाताओं को पसंद आ सकता है, लेकिन तटस्थ मतदाताओं को नहीं। थरूर ने दावा किया कि केंद्र में भाजपा सरकार के तहत हाल के वर्षों में मुसलमानों का अनुभव अच्छा नहीं रहा है। उनकी यह टिप्पणी एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी की ओर से भारत में मुसलमानों की स्थिति की तुलना तानाशाह एडॉल्फ हिटलर के युग में जर्मनी में यहूदियों से करने के बाद आई है। थरूर ने कैबिनेट में एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं होने को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि देश की पहचान बदलने की कोशिश हो रही है।

कोई पार्टी या नेता नहीं बदल सकता संविधान : गडकरी

» बोले- पहले कांग्रेस ने ही किया बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सतारा। लोकसभा चुनाव के चलते प्रचार काफी जोर है। नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले बोले जा रहे हैं। इस बीच विपक्ष लगातार संविधान बदलने को लेकर भाजपा पर निशाना साध रहा है। इस बीच भाजपा नेता व केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है।

गडकरी ने कहा कि कांग्रेस दावा कर रही है कि बीजेपी सत्ता में आई तो संविधान बदल जाएगा। मैं बता दूं भारत के संविधान की मुख्य विशेषताएं जैसे धर्मनिरपेक्षता और मौलिक अधिकारों को कोई पार्टी, नेता या संसद भी नहीं बदल सकती है।

संविधान को नहीं बदला जा सकता

नितिन गडकरी ने आगे कहा कि मगर जब विपक्षी दल सत्ता में था, तब उसने कई बार संविधान में संशोधन किया था। कांग्रेस यह प्रचार कर रही है कि बीजेपी डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा लिखित भारत के संविधान को बदलने की योजना बना रही है, लेकिन संविधान को बदला नहीं जा सकता है। गडकरी ने 1973 के केशवानंद भारती फैसले द्वारा रेखांकित प्रसिद्ध बुनियादी संरचना सिद्धांत का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि संविधान की मुख्य विशेषताएं बोलने की स्वतंत्रता, मौलिक अधिकार, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता किसी भी नेता, पार्टी या संसद द्वारा नहीं बदला जा सकता है।

यूपी में नेता जी पहुंचे द्वारे-द्वारे

सभी नेताओं ने अपने वादे से जनता को रिझाने का अभियान शुरू किया

- भाजपा, सपा, कांग्रेस व बसपा ने तेज किए चुनावी प्रचार
- मुस्लिम वोटरों पर सबकी नजर
- बसपा ने सबसे ज्यादा अल्पसंख्यकों पर लगाया दांव
- अल्पसंख्यकों की संख्या कांग्रेस-सपा में कम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी में अगले पांच चरणों के लिए सियासी पार्टियों ने चुनाव प्रचार में तेजी ला दी है। तीसरे चरण के वोटिंग 7 मई को होने हैं। इस चरण के लिए राजग व इंडिया गठबंधन के नेताओं ने एक-दूसरे पर वार-पलटवार भी जोरदार तरीके से शुरू कर दिया है। हालांकि अभी कई महत्वपूर्ण सीटों पर दोनों गठबंधनों के द्वारा उम्मीदवारों के नाम पर सहमति नही बन पा रही है। इन सबसे अलग बसपा ने अपने प्रत्याशियों को घोषित करते इंडिया एलाइंस के साथ-साथ भाजपा-राजग को मुश्किल में डाल दिया है। लोकसभा चुनाव के लिए बसपा ने अभी तक 72 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान किया है। इनमें से 20 सीटों पर उसने सपा-कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वहीं सभी सियासी दलों की नजर मुस्लिम वोटों पर है। यूपी की कुल आबादी में 19 फीसदी आबादी मुस्लिमों की है, राज्य की 16 लोकसभा सीटों पर इनकी भूमिका भी अहम है। बीजेपी ने अभी तक 73 उम्मीदवार उतारे हैं जिसमें से कोई भी प्रत्याशी मुस्लिम नहीं है, यह देखना दिलचस्प होगा कि बसपा के इस फैसले का उसे आगामी चुनाव में क्या फायदा मिलेगा।

लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही बहुजन समाज पार्टी पर यह आरोप लगते रहे हैं कि वह भारतीय जनता पार्टी की टीम बी है, कई नेता बसपा को वोट काटने वाली पार्टी तक कह चुके हैं, हालांकि मौजूदा चुनाव में बसपा ने एक ओर जहां अपने टिकट वितरण के जरिए इन आरोपों से मुक्ति पाने की पुरजोर कोशिश की वहीं सपा और कांग्रेस से ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवार उतार कर समुदाय का वोट अपनी ओर खींचने की जुगत में है। अब बसपा ने कुल 72 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया था जिसमें से 20 प्रत्याशी मुस्लिम हैं, कई सीटों पर तो बसपा ने अपने पुराने नेताओं को किनारे लगाते हुए नए मुस्लिम चेहरों पर दांव लगाया है। सबसे पहले बात करते हैं आजमगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की। यहां बसपा ने पहले भीम राजभर को मैदान में उतारा। बाद में पसमांदा मुस्लिम साबिहा अंसारी को प्रत्याशी बना दिया। इसके बाद जारी नई लिस्ट में सपा ने मशहूद आलम को कैंडिडेट घोषित कर दिया है। मशहूद आलम, साबिहा के पति हैं। सपा ने यहां अखिलेश यादव के भाई धर्मेंद्र यादव को उम्मीदवार बनाया है। इतना ही नहीं बसपा ने वाराणसी, गोरखपुर, महाराजगंज, भदोही, संतकबीरनगर, अंबेडकरनगर में भी मुस्लिम प्रत्याशी उतारा है। वाराणसी में बसपा ने नियाज अली को प्रत्याशी बनाया है। वहीं गोरखपुर में जावेद सिमनानी कैंडिडेट हैं। बदायूं में अखिलेश के चचेरे भाई आदित्य के खिलाफ बसपा ने मुस्लिम खान, फिरोजाबाद में अक्षय यादव के खिलाफ चौधरी बशीर को प्रत्याशी बनाया है. फिरोजाबाद में बसपा ने सत्येंद्र जैन का टिकट काट कर बशीर को मौका दिया। बसपा ने लखनऊ में सरवर मलिक, कन्नौज में अखिलेश के खिलाफ इमरान बिन जफर को उम्मीदवार बनाया है।

रोजगार के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा

डिंपल यादव ने बीजेपी के यूपी में 80 सीट जीतने के दावे पर कहा कि, यूपी की 80 सीटों को जीतने का दावा झूठा है। ये लोग मंचों से भी झूठ बोलते हैं। इस बल पर ही लोगों के वोट पाते आए हैं, लेकिन इस बार महिलाएं, किसान और जवान इन्हें हटाने को तैयार हैं। वहीं उन्होंने योगी सरकार के कानून व्यवस्था पर बोलते हुए कहा कि, जब रोजगार नहीं होगा, किसानों को सही आमदनी नहीं मिलेगी, तब इन सबका असर कानून व्यवस्था पर पड़ेगा ही। बहुत जरूरी है कि इस प्रदेश में लोगों को रोजगार दिया जाए जिससे लोगों में खुशहाली आए। डिंपल यादव ने पीएम मोदी के मंगलसूत्र वाले बयान पर कहा कि, जब 75 सालों में ऐसी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई तो यह आरोप इस बात को दर्शाता है कि आपके मन में सही भावना नहीं है। इसी कारण वे ऐसी बातें कर रहे हैं।

पिछली बार से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करेगी सपा

सपा द्वारा इस बार के चुनाव में काफी नौजवान महिलाओं को टिकट दिये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि, यह अच्छी बात है कि नई पीढ़ी को राजनीति में आना चाहिए। जो लेटेस्ट चीजें हो रही हैं, उस बारें में लोगों को जागरूक कर रहे हैं, युवा महिला ऊर्जा से ओतप्रोत होती है,वह अपना पूरा समय दे सकती है। मैनपुरी की विरासत को आगे बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सपा ने बहुत काम किए है, जब जब सपा सरकार आती है, तब तब आसपास के क्षेत्रों में विकास और रोजगार-नौकरी देने का काम हुआ है। इस क्षेत्र के लोगों के लिए यह प्रयास अनवरत चलता रहेगा। दो चरणों के चुनाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे चरण के चुनाव में पिछली बार से हमारा ज्यादा अच्छा परफॉर्मेंस रहेगा। जैसे-जैसे चरण बढ़ेगा, वैसे-वैसे हमारी सीट बढ़ेगी, वहीं उन्होंने अपनी बेटी की राजनीति में एंट्री को लेकर उन्होंने कहा कि, मां बेटी का रिश्ता एक दूसरे का सहयोग का होता है, इसी कारण मेरी बेटी यहां हमारा सहयोग करने आई है।

यूपी में डिंपल ने संभाली सपा के प्रचार की कमान

ध्रुवीकरण करना चाहती है बीजेपी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव के परिवार के गढ़ मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से उनकी बहू डिंपल यादव चुनाव मैदान में हैं, भाजपा के विपक्ष पर गुंडा माफिया को टिकट देने के आरोप पर उन्होंने सीधे कहा कि क्या मैं आपको गुंडा माफिया लगती हूं। डिम्पल यादव का कहना है कि सपा पर लोगों का भरोसा है, हमारी जीत पक्की है। डिंपल यादव ने कहा कि भाजपा केवल भटकाने की बात करती है। भाजपा ने इस बार सारे देश में भ्रष्टाचारियों और गुंडों का स्वागत किया है। उन्हें चुनाव भी लड़ा रही है, यह लोग अपने कार्यकाल की उपलब्धि नहीं बता पाएंगे। यह डबल इंजन की सरकार देश और प्रदेश में फेल हो गई है।

डिंपल ने कहा कि, ध्रुवीकरण के मुद्दे आने से वोटिंग पर इफेक्ट होता है, जनता परेशान होती है, रोजगार, विकास और महंगाई पर कुछ हो नहीं पाया है, तो आसान और भ्रामक रास्ता चुनना उनका शगल बन गया ह, इससे जनता भी त्रस्त है. मैनपुरी में जीत को लेकर डिंपल यादव ने कहा कि कोई चुनौती नहीं है, इस बार हम पिछली बार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज करेंगे, इसकी तैयारी पूरी है,महिलाओं की भागीदारी को लेकर उन्होंने कहा कि नारी वंदन विधेयक जब आया था, तब हमारी पार्टी ने संसद में समर्थन किया था, अब हमारी मांग है कि इसमें पिछड़े, अति पिछड़े और अल्पसंख्यक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाये।

उत्तराखंड में बसपा ने मजबूती से पेश किया दावा

इतना ही नहीं उत्तराखंड की पांच सीटों में से 2 पर बसपा ने मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं. बसपा ने नैनीताल उधम सिंह नगर से अख्तर अली माहीगिर और हरिद्वार से जमील अहमद को प्रत्याशी बनाया है।

जो भाजपा को हराएगा हम उसको देंगे वोट : शहाबुद्दीन

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने आरोप लगाया है कि सपा अल्पसंख्यक वोट बेच रही है। उन्होंने समुदाय से सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनकी पार्टी का बहिष्कार करने और या तो बसपा को वोट देने या नोटा दबाने का आह्वान किया। मौलवी ने कहा, अखिलेश ने कभी हमारा साथ नहीं दिया और हमारे नेताओं को उचित सम्मान नहीं दिया। यहां तक कि सपा के दिग्गज नेता आजम खान को भी पार्टी के पोस्टरों में जगह नहीं दी गई। इससे साफ पता चलता है कि उन्हें हममें कोई दिलचस्पी नहीं है। यह याद किया जा सकता है कि रविवार को बरेली में अखिलेश की एक चुनावी रैली में आला हजरत दरगाह से जुड़े सपा सदस्य हैदर अली को मंच पर आमंत्रित नहीं किए जाने के बाद सपा और शहाबुद्दीन के बीच तनाव पैदा हो गया था। बाद में अली ने अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और शहाबुद्दीन ने भी इस मामले को उठाया, जिसे उन्होंने अपमान बताया। सपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अनीश अहमद खान ने कहा, कि शहाबुद्दीन मुसलमानों को बदनाम कर रहे हैं। सपा में आजम खान का कद अभी भी वही है। उनकी तस्वीरें राज्य के सभी पार्टी कार्यालयों में मौजूद हैं। वह हमारी पार्टी के संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को आगे बढ़ाना ही उनका एकमात्र मकसद है। उन्होंने दावा किया कि हम उस दल को अपना समर्थन देंगे, जो भाजपा को हराएगा। चाहें वह किसी भी दल का प्रत्याशी हो। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव विकास के मुद्दे पर शुरू हुआ था। अब हिंदू-मुस्लिम के आधार पर ध्रुवीकरण हो रहा है। आने वालों दिनों में सर्जिकल स्ट्राइक भी सुनने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव है, इसलिए अखिलेश यादव मुख्तार अंसारी के यहां फातिहा पढ़ने चले गए। वरना वह नहीं जाते। साथ ही कहा कि आजम खां जेल में हैं। इसके लिए अखिलेश यादव जिम्मेदार हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

राहुल के फैसले का कई सीटों पर दिखेगा असर!

आखिरकार कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ने का फैसला करके विरोधियों का मुंह बंद कर दिया। हालांकि उनकी प्रतिद्वंद्वी बीजेपी कह रही है कि वह रायबरेली भी छोड़ कर चले जाएंगे। बातें कुछ भी बनाई जाएं इसमें कोई शक नहीं कि रायबरेली कई दशकों से गांधी परिवार का गढ़ रहा है। वहां की जनता ने जहां उस परिवार को सर आंखों पर रखा है वैसे ही वहां की जनता ने इंदिरा गांधी से लेकर सोनिया गांधी तक को लागातर कई बार संसद भेजा है। जनता के भावनात्मक लगाव वजह से राहुल ये सीट आसानी से निकाल सकते हैं। यहां पर बीजेपी की ओर दिनेश प्रताप सिंह खड़े हैं। उधर सियासी गलियारें मे चर्चा है राहुल के यहां लड़ने से आस-पास के दर्जनों सीटों पर उसका असर होगा और इसका लाभ कांग्रेस को ससंद सीट के रूप में मिलेगा। उधर राहुल के प्रत्याशी के रुप में नामांकन भरते ही बीजेपी उन पर कटाक्ष कर रही है कि वह रायबरेली से भी भागेंगे।

राहुल गांधी को अमेठी की जगह रायबरेली से मैदान में उतारने के कांग्रेस के फैसले ने सभी को आश्चर्यचकित जरूर किया है। राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाने को लेकर गांधी परिवार में काफी चर्चा हुई। गांधी परिवार ने रायबरेली के साथ-साथ अमेठी से किसे उम्मीदवार बनाया जाए, इसे लेकर काफी बार चर्चा हुई. कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी में बहुत सारे नेताओं का यह मानना था कि राहुल और प्रियंका दोनों को चुनाव लड़ना चाहिए। मगर राहुल गांधी का कहना था कि उनका अमेठी से लड़ने से कुछ हासिल नहीं होगा क्योंकि वो अगर जीत भी जाते हैं तो अमेठी सीट ही छोड़ेगें ना कि वायनाड। सूत्रों के अनुसार राहुल का यह तर्क था कि वायनाड की जनता ने उन्हें उस वक्त साथ दिया जब अमेठी के लोगों ने उनका साथ छोड़ दिया था। यही वजह है कि राहुल अमेठी से हारने के बाद वहां गए भी नह। फिर यह भी बात हुई कि यदि राहुल अमेठी जीत भी जाते हैं तो उनके इस्तीफा देने के बाद वहां से किसी को तो लड़ाना ही पड़ेगा तो अभी क्यों नहीं। रही बात रायबरेली की तो यह सीट कांग्रेस की सबसे सुरक्षित सीट मानी जाती है पिछली बार सोनिया गांधी यहां से पौने दो लाख वोटों से जीतीं थी। मगर उनके वोटों का प्रतिशत लगातार कम हो रहा था। फिर राहुल गांधी सोनिया गांधी को यह समझाने में कामयाब रहे कि चुंकि प्रियंका अभी फ़िलहाल चुनाव नहीं लड़ना नहीं चाहती हैं तो क्यों ना वो खुद रायबरेली से चुनाव लड़ें। और अगर चुनाव के बाद यदि एक सीट छोड़ने की नौबत आती है तो रायबरेली से प्रियंका को मैदान में उतारा जाए। ऐसा इसलिए भी क्योंकि तब तक यह भी पता चल जाएगा कि इंडिया गठबंधन और कांग्रेस की चुनाव में क्या स्थिति रहती है।

राहुल गांधी को अमेठी की जगह रायबरेली से मैदान में उतारने के कांग्रेस के फैसले ने सभी को आश्चर्यचकित जरूर किया है। राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाने को लेकर गांधी परिवार में काफी चर्चा हुई. गांधी परिवार ने रायबरेली के साथ-साथ अमेठी से किसे उम्मीदवार बनाया जाए, इसे लेकर काफी बार चर्चा हुई. कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी में बहुत सारे नेताओं का यह मानना था कि राहुल और प्रियंका दोनों को चुनाव लड़ना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शंकाओं के समाधान करने की पहल जरूरी

डॉ. शशांक द्विवेदी

कोविड वैक्सीन कोविशील्ड को लेकर देश-दुनिया में कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने माना है कि उनकी कोविड-19 वैक्सीन से साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। हालांकि, ऐसा बहुत दुर्लभ मामलों में ही होगा। एस्ट्राजेनेका का जो फॉर्मूला था उसी से भारत में सीरम इंस्टिट्यूट ने कोविशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई है। ब्रिटिश हाईकोर्ट में जमा दस्तावेजों में कंपनी ने माना है कि उसकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है।

अप्रैल, 2021 में जेमी स्कॉट नाम के शख्स ने यह वैक्सीन लगवाई थी। इसके बाद उनकी हालत खराब हो गई। शरीर में खून के थक्के बनने का सीधा असर उनके दिमाग पर पड़ा। इसके अलावा स्कॉट के ब्रेन में इंटर्नल ब्लीडिंग भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने उनकी पत्नी से कहा था कि वो स्कॉट को नहीं बचा पाएंगे। पिछले साल स्कॉट ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मई, 2020 में स्कॉट के आरोपों के जवाब में कंपनी ने दावा किया था कि उनकी वैक्सीन से टीटीएस नहीं हो सकता है। हालांकि, इस साल फरवरी में हाईकोर्ट में जमा किए दस्तावेजों में कंपनी इस दावे से पलट गई। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा संबंधित मामलों को देखते हुए यूके में अब ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन इस्तेमाल नहीं की जाती है। हालांकि, कई इंडिपेंडेट स्टडीज में इस वैक्सीन को महामारी से निपटने में बेहद कारगर बताया गया। वहीं, साइड इफेक्ट्स के मामलों की वजह से इस वैक्सीन के खिलाफ जांच शुरू की गई और कानूनी कार्रवाई हुई। कोरोना से बचाने में कोविड वैक्सीन को काफी मददगार माना गया। मगर ब्रिटिश फार्मा कंपनी की एस्ट्राजेनेका ने एक मामले में कबूला कि उसकी वैक्सीन के दुर्लभ साइड इफेक्ट में हार्ट अटैक हो सकता है। भारत में बड़े पैमाने पर इसे कोविशील्ड के नाम से लगवाया गया है।

मॉडर्न लाइफ स्टाइल में ज्यादातर लोग घंटों ऑफिस में एक जगह बैठकर काम करते हैं, जिसके कारण कई सारी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जब आप काफी देर तक एक ही जगह बैठे रहते हैं तो शरीर में खून के थक्के जमने की समस्या बढ़ जाती है। शरीर में खून

के थक्के जमना को 'वेन थ्रोम्बोसिस' की बीमारी कहते हैं। ब्लड क्लॉटिंग की बीमारी किसी भी व्यक्ति के शरीर में हो सकती है। काफी ज्यादा एक जगह बैठने के कारण यह बीमारी हो सकती है। हालांकि, यह बीमारी खतरनाक रूप तब ले लेती है जब ब्लड क्लॉट्स का एक हिस्सा टूट जाता है और फेफड़ों तक पहुंच जाता है। इसे पल्मोनरी एम्बोलिज्म कहते हैं। थ्रोम्बोसिस के कारण हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और प्लेटलेट्स गिरने का खतरा बढ़ जाता है। दिल का दौरा (मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन) बेहद खतरनाक स्थिति है, जिसमें दिल की एक या उससे अधिक धमनियों में ब्लॉकेज होने लगते हैं। इसके कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। दिल में सही तरीके से ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता है, जिसके कारण खून के थक्के जमने लगते हैं और बाद में हार्ट अटैक पड़ जाता है। ब्रेन स्ट्रोक की स्थिति में भी यही होता है कि ब्रेन में ब्लड ठीक तरीके से नहीं पहुंच पाता है। दिमाग में ऑक्सीजन की कमी के कारण ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। खास बात यह है कि इस वैक्सीन का इस्तेमाल अब ब्रिटेन में नहीं हो रहा है। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में आने के कुछ महीनों बाद वैज्ञानिकों ने इस वैक्सीन के खतरे को भांप लिया था। सुझाव दिया गया था कि 40 साल से कम उम्र के लोगों को दूसरी किसी वैक्सीन का भी डोज दिया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन से होने वाले नुकसान कोरोना के खतरे से ज्यादा थे। मेडिसिन हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी (एमएचआरए) के मुताबिक ब्रिटेन में 81 मामले ऐसे हैं, जिनमें इस बात की आशंका है कि वैक्सीन की वजह से खून के थक्के जमने से लोगों की मौत हो गई। एमएचआरए के मुताबिक, साइड इफेक्ट से जूझने वाले हर 5 में से एक व्यक्ति की मौत हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रीडम ऑफ इन्फॉर्मेशन के जरिए हासिल किए गए आंकड़ों के मुताबिक ब्रिटेन में फरवरी में 163 लोगों को सरकार ने मुआवजा दिया था। इनमें से 158 ऐसे थे, जिन्होंने एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन लगवाई थी। दूसरा पहलू यह है कि कोरोना के समय में इसी वैक्सीन ने लाखों लोगों की जान भी बचाई थी। कई स्टडीज में यह साबित हुआ है कि कोरोना महामारी के दौरान एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन आने के बाद पहले साल में ही इससे करीब 60 लाख लोगों की जान बची है। वर्ल्ड हेल्थ ने भी कहा था कि 18 साल या उससे ज्यादा की उम्र वाले लोगों के लिए यह वैक्सीन सुरक्षित और असरदार है।

मिलावट इतनी कि शुद्ध खाएं फिर भी बीमार हो जाएं

नरेश कौशल

डेढ़ साल की राबिया को क्या पता था कि जब वह पटियाला से ननिहाल के लाड़-प्यार की मिठास से भरी चॉकलेट लुधियाना आकर खाएगी तो उसकी जान पर बन आएगी। दुर्भाग्य से इस लाड़-प्यार के रिश्तों के बीच बेरहम बाजार आ गया। बाजार जो सिर्फ मुनाफे का पीर है। कोई मासूम मरे या जीये, उसकी बला से। चॉकलेट खाकर बच्ची बहुत बीमार हो गई। बड़े अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने किसी जहरीली चीज खाने की बात कही। बात चॉकलेट की आई, रैपर देखा गया तो चॉकलेट की एक्सपाइरी डेट छह महीने पहले खत्म हो चुकी थी। यह दुखद संयोग ही है कि पिछले दिनों पटियाला में ही जन्मदिन पर ऑनलाइन मंगवाए गए केक को खाने से एक बर्थडे गर्ल की मौत हो गई थी।

जांच पड़ताल के बाद पता चला था कि किसी बेकरी का मालिक दूसरी जगह से अलहदा नाम से बेकरी का सामान ऑनलाइन बेच रहा था। पक्की बात है, ये कानून से बचने-बचाने की तरकीब थी। इस चाकलेट व केक बेचने वाली दुकानों का इलाका पटियाला में पीली सड़क के आसपास का ही है। यह संयोग ही है कि पिछले कुछ अरसे से देश में कई ऐसे खुलासे हुए, जिनमें बताया गया कि दशकों से हम जिन उत्पादों को तंदुरुस्ती संवारने वाला मानते आ रहे थे, वे तो सेहत के लिये नुकसानदायक निकले। पहले खुलासा हुआ कि बॉर्नविटा व सेरेलेक्स में बहुराष्ट्रीय कंपनियां आवश्यकता से अधिक शूगर मिलाकर विकासशील व गरीब मुल्कों के बच्चों के जीवन से खिलवाड़ कर रही हैं। यह भी खुलासा हुआ है कि व्यंजनों को लजीज बनाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व पाचन सुधारने वाले कुछ कंपनियों के मसालों में सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व पाये गए हैं। मसालों को सुरक्षित रखने के लिये कीटनाशक जैसे पदार्थ मिलाए गए हैं।

भारत में तो लोग जैसे-तैसे इन्हें खा ही रहे हैं अब तो दुनिया के कई मुल्कों में भी दो भारतीय मसाला कंपनियों की साख पर सवाल उठाये जा रहे हैं। सिंगापुर व हांगकांग का दावा है कि दो भारतीय कंपनियों के मसाला पैकेटों में सेहत के लिये हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। सैकड़ों सालों से भारत की पहचान रहे मसाले न केवल रोगनाशक बल्कि इम्यूनिटी बढ़ाने वाले भी होते हैं। याद करें कि कोरोना संकट में इन मसालों ने ही देश के लोगों का मनोबल बनाये रखने में खासी मदद की। आये दिन हम मिलावटी खानपान की चीजों की बरामदगी की खबरें पढ़ते हैं। कुछ लोग बीमार होते हैं, कुछ अपना जीवन गवां बैठते हैं। लेकिन सुनने में नहीं आया कि किसी हादसे के बाद किसी की जवाबदेही तय करके बड़ी सजा दी गई हो। ऐसी सजा जो दोषियों के लिये सबक का फैसला साबित हो। आज आखिर बचा ही क्या है बिना मिलावट के? दूध, बेसन, घी, पनीर, खोया, दवाइयां, दैनिक जरूरत की चीजें आटा, चावल व दालें भी मिलावट की चपेट में हैं। यहां तक कि पानी तक में मिलावट है। इस मिलावट का ही असर है कि कम उम्र में लोग बड़ी उम्र की बीमारियों से पीड़ित होने लगे हैं। जिन अधिकारियों व कर्मचारियों पर खाने-पीने की चीजों की निगरानी की जिम्मेदारी है, वे होली-दीवाली पर दिखावटी अभियान चलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं और जेबें भी भर लेते हैं।

कुछ स्थानों पर छापेमारी होती है और कुछ जगह नमूने भरे जाते हैं। फिर ढाक के वही तीन पात। होना तो यह चाहिए कि शासन-प्रशासन ऐसे सख्त कदम उठाये कि कोई फिर से मिलावट करने का दुस्साहस न कर सके। वैसे लोगों को सचेत करने की भी जरूरत है। यह कैसी अजीब स्थिति है कि अब तक हम जिन प्रॉडक्ट को दशकों से सेहत के लिये वरदान मानते रहे हैं, अब खुलासा हुआ कि वे तो सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। ऐसे कई देसी-विदेशी उत्पादों के खुलासे एक साथ हुए। इसी कड़ी में उत्तराखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है कि राज्य सरकार ने पतंजलि आयुर्वेद के 14 उत्पादों का निर्माण लाइसेंस निलंबित किया है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि स्टेट लाइसेंसिंग अथॉरिटी की ओर से भ्रामक प्रचार मामले में दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद के उत्पाद मामलों में यह कार्रवाई की गई है। जो भी हो, सुप्रीम कोर्ट ने इस साल न्यायिक जिम्मेदारी का नमूना पेश किया। जिस तरह पतंजलि आयुर्वेद के कर्ताधर्ताओं की क्लास लगाई, उसे पूरे देश ने देखा और मीडिया के जरिये आम लोगों ने महसूस किया। लेकिन अदालत ने इसमें याचिका दायर करने वाली आईएमए को भी नहीं बख्शा।

अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि एक उंगली यदि बाबा रामदेव की तरफ उठी तो चार तुम्हारी तरफ भी उठी हैं। तुम्हारा दामन भी पाक साफ नहीं है। नाराज न्यायाधीशों ने कहा कि आखिर कौन दवा कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए महंगी-महंगी दवाएं लिखता है? इसी बीच खबर आई कि बच्चों के लिये स्वास्थ्यवर्धक बताये जाने वाले बॉर्नविटा की पड़ताल में पता चला कि उसमें चीनी की मात्रा यूरोपीय व अमेरिकी देशों में बेचे जाने वाले उत्पाद के मुकाबले काफी ज्यादा थी। चीनी की यह मात्रा एशिया व अफ्रीका के गरीब मुल्कों में बेचे जाने वाले बॉर्नविटा में भारत से भी ज्यादा थी। लेकिन यूरोप व अमेरिकी देशों में बॉर्नविटा में यह मात्रा स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप ही रही। बाद में कंपनी ने दावा किया कि भारत में बेचे जाने वाले बॉर्नविटा में चीनी की मात्रा तीस प्रतिशत कम कर दी गई है।

गर्मी से चाहिए राहत तो जाएं हिमाचल प्रदेश

मई का महीने की शुरूआत हो गई है ऐसे में भीषण गर्मी ने अभी से लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। इस चिलचिलाती गर्मी की वजह से हर कोई काफी परेशान हो रहा है। इस मौसम में बच्चों की भी छुट्टियां होती हैं, जिस वजह से लोग गर्मी से राहत पाने के लिए सर्दी वाली जगहों पर घूमने का प्लान बनाते हैं। बहुत से लोग तो इस मौसम में अपने दोस्तों के साथ ही घूमने का प्लान बनाते हैं। अगर आप भी किसी ऐसी जगह के बारे में जानकारी तलाश कर रहे हैं, जो खूबसूरत होने के साथ-साथ ठंडी भी हो, तो हिमाचल प्रदेश की कुछ ऐसी जगहों पर जाएं जहां आपको गर्मी में भी सर्दी का एहसास होगा। ये सभी जगहें बेहद ही खूबसूरत भी हैं। ऐसे में आप अपने दोस्तों के साथ भी यहां जा सकते हैं।

कसौली

कसौली बेहद ही छोटा सा हिल स्टेशन है। एक समय था, जब यहां ज्यादा भीड़ नहीं होती थी, लेकिन आज के समय यहां काफी भीड़ रहती है। लोग यहां एडवेंचर करने दूर-दूर से आते हैं। अगर आपको भी एडवेंचर करना पसंद है, तो आप अप्रैल या मई के महीने में यहां आ सकते हैं। भारतीय और यूरोपीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण यह कृष्ण भगवान मंदिर जिसका निर्माण 1926 ईस्वी में किया गया था। इसकी वास्तुकला बेहद ही अनूठी और अद्भुत है। यह मंदिर कसौली के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है जहां पर पर्यटकों की काफी भीड़ देखी जाती हैं। इस मंदिर की विशेषता यह है कि इस मंदिर को चर्च की तरह निर्मित किया गया है जिसे देखने के लिए यहां पर दर्शनार्थियों तथा पर्यटकों की भीड़ होती है।

मूरंग

ऊंचे पहाड़, झरने और देवदार के पेड़ों की बीच मूरंग की खूबसूरती देखने लायक होती है। यहां आपको ज्यादा भीड़भाड़ नहीं मिलेगी। ऐसे में अगर आप अगर शांति में समय बिताना चाहते हैं, तो यहां जाने का प्लान कर सकते हैं।

जिस्पा

हिमाचल की लाहौल घाटी का एक छोटा-सा गांव है, जिस्पा। जो मनाली-लेह रूट पर भागा नदी के किनारे बसा है। समुद्र तल से 10,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित ये गांव केलांग से 22 किलोमीटर की दूरी पर है। इस गांव में 400 लोग रहते हैं जो बेहद प्यारे हैं। आप यहां तक रोड ट्रिप बना सकते हैं और मनाली से भी इस जगह पर आना आसान है। अक्सर देखा जाता है कि अप्रैल के महीने में यहां का तापमान 3 से 7 डिग्री तक होता है। ऐसे में अगर आप जिस्पा की हसीन वादियों में खोना चाहते हैं और गर्मी में सर्दी का एहसास करना चाहते हैं, तो यहां जाने का प्लान जरूर बनाएं।

स्पीति वैली

हिमाचल प्रदेश में स्थित इस खूबसूरत सी घाटी को लोग ठंडा रेगिस्तान भी कहते हैं। यहां आपको हर मोड़ पर बेहद अलग और खूबसूरत नजारा देखने को मिलेगा। अगर आप यहां गर्मी के मौसम में जाएंगे, तो आपको यहां से वापस आने का मन ही नहीं करेगा, क्योंकि यहां मौसम हमेशा ठंडा ही रहता है। चारों और झील,और हिमखंडों से घिरी, आसमान छूते शैल-शिखरों के दामन में बसी लाहौल-स्पीति की घाटियां पर्यटकों के लिए किसी स्वर्ग से कम नही है। आसमान छोटे पर्वतों के शिखर, ठंडी हवा के झोंके और चारों हरी-भरी हरियाली यह सब लाहुल-स्पीति को पर्यटक स्थलों में नया मुकाम दिलाते हैं।

हंसना मना है

पति- आज खाना सासू मां ने बनाया है क्या? पत्नी- वाह कैसे पहचाना। पति- जब तुम बनाती थी तो काले बाल निकलते थे ... आज सफेद निकला है।

मास्टर जी - शांति किसके घर में रहती है...? पप्पू - जिस घर में पति और पत्नी दोनों मोबाइल चलाते हैं...!!!

यमराज (औरत से) - चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं। औरत - बस दो मिनट दे दो। यमराज - दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी...? औरत - फेसबुक पर स्टेटस डालना है, यह सुनकर यमराज ही हो गए बेहोश...!!!

पति और पत्नी एक कुएं के पास गए, जहां सिक्का डालने से मन की मुराद पूरी हो जाती थी...! पहले पति ने सिक्का डाला, फिर पत्नी जैसे ही सिक्का डालने गई तो पैर फिसल गया और वो कुएं में गिर गई! पति की आंखों में आंसू आ गए, ऊपर देखते हुए बोला- हे भगवान, इतनी जल्दी सुन ली...!!!

भिखारी (शर्मा जी से)- साहब मैं अपने परिवार से बिछड़ गया हूं। मिलने के लिए 150 रुपये चाहिए। शर्मा जी (भिखारी से) - कहां है तेरा परिवार..भिखारी- जी वो मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

कहानी — प्यासा कौवा

एक बार की बात है, गर्मियों की चिलचिलाती दोपहर में एक प्यासा कौवा पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था, लेकिन उसे पानी कहीं नहीं मिला। वह प्यासा उड़ता ही जा रहा था। उड़ते-उड़ते उसकी प्यास बढ़ती जा रही थी, जिस कारण उसकी हालत खराब होने लगी। अब कौवे को लगने लगा कि उसकी मौत नजदीक है, लेकिन तभी उसकी नजर एक घड़े पर पड़ी। वो तुरंत हिम्मत जुटाकर उस घड़े तक पहुंचा, लेकिन उसकी खुशी बस कुछ समय के लिए ही थी, क्योंकि उस घड़े में पानी तो था, लेकिन इतना नहीं था कि कौवे की चोंच उस पानी तक पहुंच सके। कौवे ने हर तरह से पानी पीने की कोशिश की, लेकिन वह पानी पीने में सफल नहीं हो पाया। अब कौवा पहले से भी ज्यादा दुखी हो गया था, क्योंकि उसके पास पानी होते हुए भी वह प्यासा था। कुछ देर घड़े को देखते-देखते कौवे की नजर घड़े के आसपास पड़े कंकड़ों पर पड़ी और कंकड़ों को देखते ही उसके मन में एक योजना आई। उसने सोचा कि थोड़ी मेहनत करके अगर वह एक-एक करके सारे कंकड़ घड़े में डाल दे, तो पानी ऊपर आ जाएगा और वो आसानी से पानी पी सकेगा। उसने एक-एक कर आसपास पड़े कंकड़ों को घड़े में डालना शुरू कर दिया। वह कंकड़ों को तब तक घड़े में डालता रहा, जब तक पानी ऊपर उसकी चोंच तक नहीं आ गया। फिर काफी मेहनत के बाद जब पानी ऊपर आ गया, तो कौवे ने जी भरकर पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी भी परिस्थिति में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। मेहनत करते रहना चाहिए, क्योंकि मेहनत करने वाले को ही सफलता मिलती है।

7 अंतर खोजें

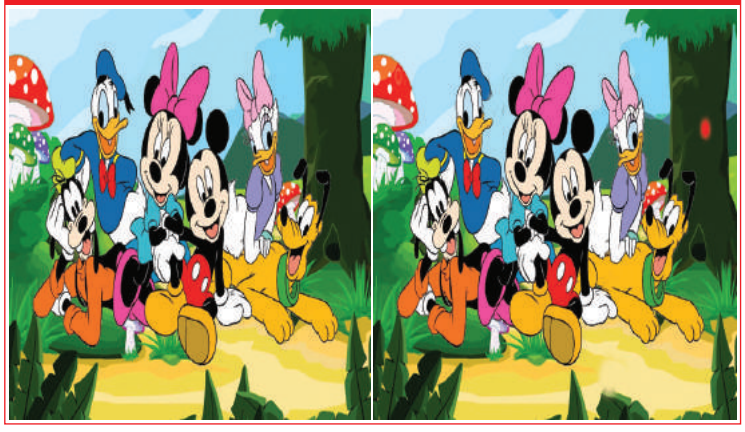

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वृषभ — वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन — आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है।

कर्क — लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक — कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें।

धनु — बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मकर — आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। तनाव रहेगा।

कुम्भ — कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन — भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दी जाने वाली फीस से खुश नहीं लारा दत्त

लारा दत्ता इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार किरदार निभाए हैं। हालांकि, लारा दत्ता इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दिए जाने वाली फीस से कुछ खास खुश नहीं हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा में वेतन असमानता को लेकर खुलकर बात की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि महिलाएं इंडस्ट्री में अपने कई पुरुष कलाकारों की तुलना में कड़ी मेहनत करती हैं फिर भी ज्यादातर महिलाएं भाग्यशाली हैं कि उन्हें पुरुष अभिनेताओं को मिलने वाले वेतन का दसवां हिस्सा मिलता है। लारा दत्ता ने बताया कि वे प्रक्रिया में हैं और बहुत सारी महिलाएं हैं, जो इस धारणा में बदलाव करने की कोशिश कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि पहले, यह सोचा जाता था कि जब आप 30 वर्ष की उम्र तक पहुंचते हैं, तो आपके लिए घर बसाने का समय आ जाता है क्योंकि आपका करियर खत्म हो जाता है। इस बीच, लारा दत्ता नितेश तिवारी की रामायण में कैकेयी की भूमिका को लेकर भी काफी चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी कई रिपोर्ट्स सुनी हैं, लेकिन वह अटकलों का आनंद ले रही हैं, उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, कौन रामायण का हिस्सा नहीं बनना चाहेगा? अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में, वे 'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' में नजर आई हैं। यह सीरीज 25 अप्रैल को स्ट्रीम हुई है।

फिर बदलेगी कंगना की 'इमरजेंसी' की रिलीज डेट

बॉलीवुड | मसाला

कंगना रनौत ने जनवरी में अपनी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज डेट का ऐलान किया था। एक्ट्रेस बताया था कि फिल्म 14 जून को रिलीज होगी। फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक समेत कई सितारे हैं। फिल्म का लेखन और निर्देशन कंगना ने ही किया है।

इमरजेंसी की रिलीज में बदलाव की खबरे सामने आ रही हैं। दरअसल, कंगना इस बार हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। इसके चलते वह प्रचार में व्यस्त हैं। फिल्म से जुड़े करीबी सूत्रों के मुताबिक, रिलीज की नई तारीख तय नहीं की गई है। जल्द ही इसका ऐलान किया जा सकता है।

यह फिल्म कूमी कपूर की किताब द इमरजेंसीः ए पर्सनल हिस्ट्री पर बेस्ड है। इस फिल्म में एक्ट्रेस 1975 से 1977 में लगभग 21 महीनों तक लगी इंडिया में इमरजेंसी की कहानी को दिखाएंगी। वहीं अभी रिलीज डेट बदलने को लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं आई है। ऐसा दूसरी बार होगा जब इसकी रिलीज डेट बदली जाएगी। कंगना रनौत का लुक फिल्म से सामने आ चुका है। वहीं, उन्होंने बीते साल जून में इसका टीजर भी शेयर किया था, जिसमें इंदिरा गांधी बनीं कंगना रनौत का वॉइस ओवर सुना जा सकता था।

बता दें कि इस फिल्म में उनके साथ-साथ अनुपम खेर से लेकर महिमा चौधरी और सतीश कौशिक से लेकर मिलिंद सोमन जैसे सितारे का लुक भी रिवील हो चुका है।

कुशाल संग सात फेरे लेंगी शिवांगी जोशी!

शिवांगी जोशी ने अपने किरदारों से हमेशा ही दर्शकों का दिल जीता है। वहीं, शिवांगी अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रही हैं। हालांकि, इन दिनों एक्ट्रेस अपनी शादी की खबरों के कारण चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, बताया जा रहा है कि शिवांगी इन दिनों एक्टर कुशाल टंडन को डेट कर रही हैं। दोनों को टीवी शो बरसातें- मौसम का प्यार में पहली बार स्क्रीन पर साथ देखा गया था। शो में दोनों की केमेस्ट्री को दर्शकों का भरपूर प्यार भी मिला।

अब कहा जा रहा है कि इसी शो के दौरान शिवांगी और कुशाल के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं। वहीं, अब बात शादी के मंडप तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, फिलहाल इन खबरों पर आधिकारिक मुहर नहीं लग पाई है, लेकिन इस खबर से शिवांगी और कुशाल के चाहने वाले काफी खुश है और दोनों को दूल्हा-दुल्हन के लिबास में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो शिवांगी और कुशाल एक दूसरे के लिए बहुत सीरियस हैं। दोनों अपनेइस रिश्ते को अगले लेवल तक ले जाना चाहते हैं।

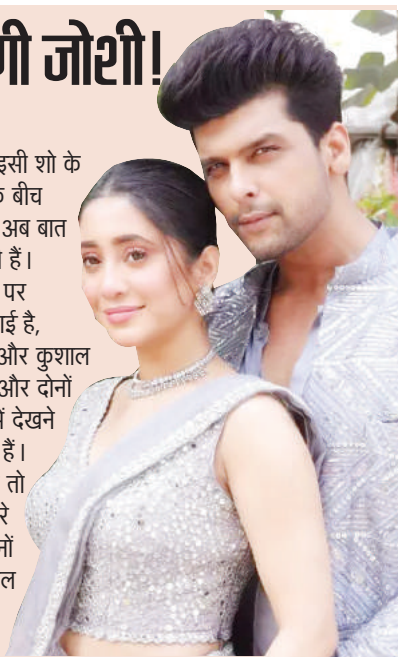

अजब-गजब | यहां चंड-मुंड नाम राक्षसों का अंत करने के लिए माता प्रकट हुई थीं

इस मंदिर में बलि चढ़ाने के बाद भी नहीं मरता बकरा, बिहार में स्थित है यह मंदिर

भारत मंदिरों का देश है और यहां कई रहस्यमयी और चमत्कारिक मंदिर हैं। इनके रहस्यों को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। देश में माता के अनेक ऐसे मंदिर हैं, जहां भक्तों को देवी मां के चमत्कार देखने को मिलते हैं। ऐसा ही देवी मां का एक चमत्कारी मंदिर बिहार के कैमूर जिले में भी है। माता के इस मंदिर में भक्तों को अद्भुत चमत्कार देखने को मिलता है। माता के इस मंदिर में बकरे की बलि चढ़ाई जाती है लेकिन बकरा मरता नहीं है। बलि के कुछ समय बाद पुनः जिंदा होकर खुद ही चलता हुआ मंदिर से बाहर आ जाता है।

माता का यह चमत्कारी मंदिर मुंडेश्वरी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। यह मंदिर कैमूर पर्वत की पहाड़ी पर करीब 600 ज्यादा फीट की ऊंचाई पर है। जानकारी के मुताबिक, यह मंदिर हाजारों साल पुराना है। इतिहासकारों का मानना है कि इसका निमार्ण 108 ईस्वी में शक शासनकाल में बनवाया गया था। भगवान शिव और देवी शक्ति को समर्पित यह प्राचीन मुंडेश्वरी देवी मंदिर बिहार के कैमूर जिले के कौरा क्षेत्र में स्थित है।

माता के इस मंदिर में बकरे की बलि चढ़ाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। हालांकि यहां बलि देने की परंपरा अन्य मंदिरों से बिल्कुल भिन्न है। दरअसल, जब इस मंदिर में बकरे की बलि चढ़ाई जाती है उसकी जान नहीं ली जाती। यहां अलग तरह से बकरे की बलि दी जाती है। खास बात यह है कि यहां बलि चढ़ाने की प्रक्रिया भक्तों के सामने ही की जाती है।

यहां जब किसी बकरे की बलि चढ़ानी होती है तो उसे माता की मूर्ति के सामने लाया जाता है। इसके बाद उसे वहां लिटाकर पुजारी उस पर कुछ अभिमंत्रित चावल फेंकता है। ये चावल माता की मूर्ति को स्पर्श करवाने के बाद बकरे पर फेंके जाते हैं। जैसे ही माता की मूर्ति के स्पर्श करवाए गए चावल बकरे पर फेंके जाते हैं तो बकरा मृत सा हो जाता है। उसे देखकर ऐसा लगता है जैसे उसमें प्राण ही न बचे हों। उसमें बिल्कुल हलचल नहीं होती। इसके बाद फिर इसी प्रकार दोबारा चावल बकरे पर फेंके जाते हैं और माता के जयकारे लगाए जाते हैं। माता के जयकारे लगते ही बकरा तुरंत उठ जाता है। बलि चढ़ाने की क्रिया पूरी होने के बाद बकरे को छोड़ दिया जाता है।

माता के इस चमत्कारिक मंदिर के बारे में एक कथा प्रचलित है। मान्यता है कि चंड-मुंड नाम के राक्षसों का अंत करने के लिए माता यहां प्रकट हुई थी। जब माता ने चंड को मारा तो मुंड यहां की पहाड़ियों में आकर छिप गया। इसके बाद माता ने उसका भी वध कर दिया। इसके साथ ही मां मुंडेश्वरी मंदिर में एक प्राचीन पंचमुखी शिवलिंग की मूर्ति भी है, जो दिन में तीन बार अपना रंग बदलती है। लोगों का कहना है कि यहां देखते ही देखते कब शिवलिंग अपना रंग बदल लेता है इसका पता भी नहीं चल पाता।

मेक्सिको में चिहुआहुआ रेगिस्तान पर आते ही काम करना बंद कर देते हैं सभी इलेक्ट्रोनिक आइटम

टेक्नोलॉजी के इस जमाने में बिना इलेक्ट्रोनिक्स आइटम के जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। क्योंकि सुबह से लेकर रात तक हमें हर स्थान पर इलेक्ट्रोनिक आइटम की जरूरत पड़ती रहती है। अगर आपसे कोई कहे कि दुनिया में एक ऐसा भी स्थान है जहां इलेक्ट्रोनिक आइटम काम करना ही बंद कर देते हैं तो आप क्या कहेंगे। यकीनन आपको ये बात जानकर हैरानी होगी। आज हम आपको ऐसे ही स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां कोई भी इलेक्ट्रोनिक आइटम काम नहीं करता। इसलिए इस स्थान को जोन ऑफ साइलेंस के नाम से जाना जाता है। ये स्थान मेक्सिको सिटी में स्थित है। यहां की सबसे अजीब बात ये है कि इस स्थान पर आते ही दुनिया के तमाम इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अपने आप काम करना बंद कर देते हैं। कहते हैं कि यहां कुछ ऐसी शक्ति है जो यहां किसी भी तरह की रेडिया फीक्वेंसी काम नहीं करती है। ये जगह मेक्सिको में चिहुआहुआ रेगिस्तान के नाम से जानी जाती है। दुनिया के तमाम वैज्ञानिकों ने इस बात की खोज की कि इस स्थान पर आखिर ऐसा क्या है जो यहां कोई इलेक्ट्रोनिक आइटम काम नहीं करता। लेकिन को कोई कामयाबी नहीं मिली। हालांकि इस स्थान को लेकर भी कई तरह की बातें कही जाती हैं। बता दें कि इस बात का खुलासा तब हुआ जब यहां एक उल्कापिंड गिरा था। पहली बार यहां साल 1938 में एक उल्कापिंड गिरा था। इसके बाद दूसरा उल्कापिंड साल 1954 में इसी स्थान पर गिर गया। इसके बाद से ही लोग इस जगह पर कुछ अजीबोगरीब होने का दावा करने लगे। बता दे कि इस रहस्यमयी जगह पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्यों काम करना बंद कर देते हैं इसे लेकर शोध तब किया गया, जब यहां से गुजर रहा अमेरिका का एक टेस्ट रॉकेट धराशायी हो गया था। इसके बाद वैज्ञानिक जब इस जगह पर पहुंचे तो वो ये देखकर हैरान रह गए कि यहां दिशा कम्पास और जीपीएस चकरी की तरह घूम रहे थे। इस जगह का नाम जोन ऑफ साइलेंस रखा गया। ये नाम इस स्थान को साल 1966 में तब दिया गया जब एक तेल कंपनी यहां तेल की खोज में आई थी। कंपनी के लोगों ने जब 50 किलोमीटर में फैले इस क्षेत्र पर रिसर्च करना शुरू किया तो वो बेहद परेशान हो गए, क्योंकि उनके सारे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अपने आप ही बंद हो गए।

उदासीन व निष्ठुर है मोदी सरकार : खरगे

» मणिपुर में अशांति को लेकर की बीजेपी की निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मणिपुर की स्थिति को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला और उस पर उदासीन एवं निष्ठुर होने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि मणिपुर ठीक एक साल पहले तीन मई, 2023 को जलना शुरू हुआ था। उन्होंने कहा, मणिपुर में मानवता नष्ट हो गई। (केंद्र में) उदासीन मोदी सरकार और राज्य में अयोग्य भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सरकार के क्रूर मेल ने राज्य को वस्तुत: दो हिस्सों में बांट दिया है।

उन्होंने कहा, निष्ठुर प्रधानमंत्री मोदी ने इस सीमावर्ती राज्य में कदम नहीं रखा जो उनकी अक्षमता और पूर्ण उदासीनता को उजागर करता है। उनके अहंकार ने एक खूबसूरत राज्य के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाया है। खरगे ने कहा कि मणिपुर के सभी समुदायों के लोग अब जानते हैं कि भाजपा ने उनके जीवन को कैसे दयनीय बना दिया है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, पूर्वोत्तर के लोग अब जानते हैं कि मोदी सरकार द्वारा तथाकथित विकास को लेकर बेशर्म होकर ढोल बजाए जाने के कारण इस क्षेत्र में मानवता की आवाज को दबा दिया गया है। भारत के लोग अब जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को मणिपुर में उन अनगिनत जिंदगियों के प्रति रत्ती भर भी सहानुभूति नहीं है जिन्हें उन्होंने नष्ट कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि 220 से अधिक लोग मारे गए हैं, 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं और महिलाओं एवं बच्चों सहित हजारों लोग अब भी शिविरों में हैं। खरगे ने कहा, महिलाओं से बलात्कार हुआ, उनकी परेड कराई गई और भयावह हिंसा हुई लेकिन प्रधानमंत्री चुप रहे। आक्रोश के बाद ही प्रधानमंत्री ने अगस्त 2023 में दिखावे के लिए बोलने की जहमत उठाई, जो अब खोखला साबित हो रहा है।

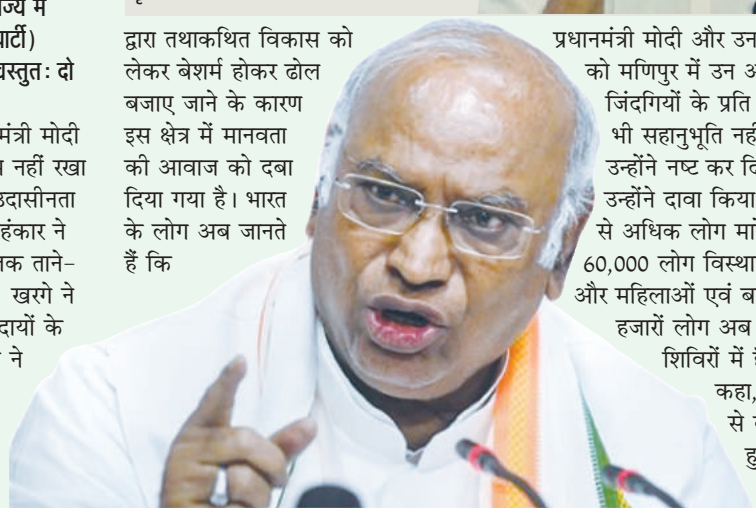

गृह मंत्री असंवेदनशील और अक्षम : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ देने और उसका प्रबंधन गृह मंत्री को आउटसोर्स करने का आरोप लगाया और कहा कि गृह मंत्री निराशाजनक रूप से असंवेदनशील और अक्षम साबित हुए है। रमेश ने कहा, आज से ठीक एक साल पहले मणिपुर मे हिंसा भड़की थी या कहे कि सत्तारूढ़ भाजपा की स्वार्थ और विभाजनकारी राजनीति ने हिंसा भड़काई थी। सैकड़ो लोग मारे गए है। हजारो लोग विस्थापित हुए है। उन्होने कहा, मणिपुर के समुदाय अब एक-दूसरे को संदेह की दृष्टि से देख रहे है और डर के साए में जी रहे है। सुरक्षा बलो पर नियमित हमले हो रहे है और सरकार से संरक्षण प्राप्त सशस्त्र मिलिशिया हावी है। यहां तक कि उच्चतम न्यायालय ने भी राज्य मे संवैधानिक मशीनरी के ध्वस्त होने पर दुख जताया है। आश्चर्य की बात यह है कि ठीक पंद्रह महीने पहले ही विधान सभा चुनाव मे भाजपा और उसके सहयोगियो को जबरदस्त जनादेश मिला था। वह जनादेश तीन मई 2023 को पूरी तरह से भाजपा की अपनी (गलत) गणना और जोड़-तोड़ के कारण गायब हो गया। रमेश ने कहा कि गृहयुद्ध जैसी इस स्थिति के बीच भी प्रधानमंत्री चुप्पी साधे हुए है। उन्होने कहा, भारत के प्रधानमंत्री ने मणिपुर के लोगो को ऐसे समय मे उनके हाल पर छोड़ दिया है जब उन्हे उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। ऐसा लगता है कि उन्होने मणिपुर मामलो का प्रबंधन अपने गृह मंत्री को आउटसोर्स कर दिया है, जो निराशाजनक रूप से असंवेदनशील और अक्षम साबित हुए है। उन्होने आरोप लगाया कि आज मणिपुर मे जो स्थिति है, वह मोदी सरकार की झांसा दो और शासन करो की नीति का परिणाम है, जो पूर्वोत्तर मे उनकी विशेषता रही है।

राहुल राजनीतिक पर्यटक : फडणवीस

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राजनीतिक पर्यटक बताया।कांग्रेस की ओर से उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से राहुल गांधी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता फडणवीस ने यह टिप्पणी की। गांधी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। रायबरेली पिछले दो दशकसे उनकी मां सोनिया गांधी का निर्वाचन क्षेत्र रहा है। राहुल गांधी 2004 से लगातार तीन बार अमेठी निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य चुने गए थे। वह 2019 मे भाजपा की नेता स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए थे। गांधी ने पिछले चुनाव मे केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र मे जीत दर्ज की थी।कांग्रेस नेता द्वारा रायबरेली से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बारे मे पूछे जाने पर फडणवीस ने पीटीआई वीडियो से कहा, उन्हे घूमने दो। पर्यटको का स्वागत किया जाता है लेकिन (वे) अपना स्थाई घर नही बनाते। वायनाड मे लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण मे 26 अप्रैल को मतदान हुआ था, जबकि रायबरेली मे पांचवे चरण मे 20 मई को मतदान होगा। पाकिस्तान के एक मंत्री द्वारा गांधी के पक्ष मे ट्वीट करने के बारे मे पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि पाकिस्तान और समान विचारधारा वाले तत्व उन्हे (गांधी को) सत्ता मे चाहते है। उन्हे (पाकिस्तान को) लगता है कि यदि नरेन्द्र मोदी (प्रधानमंत्री पद पर) बने रहे तो उनकी हालत कटोरा लेकर भीख मांगने वाली मौजूदा स्थिति से भी बदतर हो जाएगी। फडणवीस ने साक्षात्कार का हवाला देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया है कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे उनके व्यक्तिगत दुश्मन नही है। उन्होने कहा, जब भी वह (ठाकरे) अस्वस्थ होते थे, प्रधानमंत्री मोदी उनके स्वास्थ्य के बारे मे पूछते थे। यह मै व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमे एक बात सिखाई है कि राजनीति मे कोई भी हमारा व्यक्तिगत दुश्मन नही है। हमारे बीच सिर्फ वैचारिक मतभेद है।

हम राहुल गांधी को पाकिस्तान में नहीं हरा सकते : हिमंता

» बोले- कांग्रेस नेता पाक में हैं बहुत मशहूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। हिमंता ने कहा कि राहुल पाकिस्तान में बहुत लोकप्रिय हैं। अगर पाकिस्तान में चुनाव होता है और राहुल चुनाव लड़ते हैं, तो वह भारी मतों के अंतर से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान में राहुल को नहीं हरा सकते। इसके साथ ही भाजपा नेता ने कहा कि पाकिस्तान जो चाहता है वो भारत में कैसे हो सकता है? पाकिस्तान जो चाहेगा, भारत में उसका उल्टा ही होगा।

यह प्रतिक्रिया बुधवार 1 मई को चल रहे विवाद की पृष्ठभूमि में आई है, जब पाकिस्तान में इमरान खान की कैबिनेट के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर राहुल गांधी की विशेषता वाला एक वीडियो साझा किया और कांग्रेस नेता की प्रशंसा की। इस पोस्ट के बाद भारी विवाद खड़ा हो गया और भाजपा ने राहुल गांधी पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ा। 1 मई को आणंद में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संयोग देखिए, आज भारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है।

चुनाव के बाद स्मृति को भेज देंगे गोवा: अजय

» बोले- गांधी परिवार किसी से भी नहीं डरता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों के चलते नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप लगातार जारी है। उत्तर प्रदेश में अमेठी रायबरेली लोकसभा सीटों को लेकर सियासत गरमाई हुई है। जबसे कांग्रेस ने अमेठी से राहुल की जगह किशोरी लाल शर्मा को अपना उम्मीदवार बनाया है तबसे सियासत और भी गरमाई है। स्मृति ईरानी इसको लेकर कांग्रेस पर हमलावर है तो वहीं कांग्रेस की ओर से भी लगातार पलटवार किया जा रहा है। इस बीच यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि निश्चित तौर से इंडिया गठबंधन पूरे प्रदेश और देश में चुनाव जीतने जा रहा है।

राय ने कहा कि सभी लोग पूरी ताकत के साथ इंडिया गठबंधन को जिताने जा रहे हैं। पूरे प्रदेश और देश के अंदर उत्साह का माहौल है। सभी लोग मिलकर इंडिया गठबंधन को मजबूत कर रहे हैं और चुनाव जिता रहे हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि गांधी परिवार किसी से डरता नहीं है। किशोरी लाल शर्मा अमेठी चुनाव के बाद स्मृति ईरानी को गोवा भेज देंगे। आप मेरा विश्वास कीजिए। राय ने कहा कि देश के सभी फर्जी लोगों को हटाइए और गठबंधन की प्रत्याशियों को चुनाव जिताइए। सभी फर्जी लोगों को आप लोगों को ही हटाना है। राय ने कांग्रेस प्रत्याशी सदल प्रसाद के विरोध के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सभी लोग यहां पर मिलकर काम कर रहे है। कोई विरोध नहीं कर रहा है। सभी लोगों को समझा दिया गया है। सभी लोग आने वाले समय में सटल प्रसाद जी के साथ खड़े दिखाई देंगे। गोरखपुर में कोई असर नहीं पड़ने वाला है। सब लोग मिलकर काम कर रहे हैं। अजय राय ने राहुल के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर रवि किशन के तंज पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल और गांधी परिवार किसी से डरने वाला नहीं है।

इंडिया गठबंधन चुनाव जीतेगा तो सारा अधिकार आपका होगा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इंडिया गठबंधन जब चुनाव जीतेगा तो सारा हक, काम और अधिकार आपका होगा। सदल प्रसाद को जिताइए। अजय राय का मजबूत कंधा आपके साथ खड़ा रहेगा। सपा के पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी ने अपने उद्बोधन में कांग्रेस प्रत्याशी सदल प्रसाद को जिताने का आह्वान किया। इस अवसर पर इंडिया गठबंधन के बांसगांव से कांग्रेस प्रत्याशी सदल प्रसाद ने भी लोगों से उनके विश्वास पर खरा उतरने का वादा किया।

प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई मुंबई इंडियंस!

» 12 साल बाद केकेआर ने मुंबई को उसके घर में हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग अब अपने चरम पर पहुंच चुका है। शुक्रवार को खेले गए टूर्नामेंट के 51वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को उसके ही घर में 24 रनों से करारी शिकस्त दी। इस हार के साथ ही मुंबई अब प्लेऑफ की रेस से लगभग पूरी तरह बाहर हो चुकी है। तो वहीं इस जीत के साथ केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अब और भी पक्की हो गई हैं।

इस मैच में केकेआर ने मुंबई को जीत के लिए 170 रनों का टारगेट दिया था। जिसका पीछा करते हुए उसकी पूरी टीम 18.5 ओवरों में 145 रनों पर सिमट गई। देखा जाए तो कोलकाता ने वानखेड़े स्टेडियम में 12 साल बाद मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत हासिल की है। इससे पहले 2012 के सीजन में केकेआर को मुंबई के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में पहली बार जीत नसीब हुई थी। तब उसने मेजबान टीम को 32 रनों से हराया था। मुंबई इंडियंस के लिए इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने सर्वाधिक 56 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने छह चौके और दो छक्के लगाए। वहीं टिम डेविड ने 20 गेंदों पर 24 रन बनाए। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। इस दौरान 19वें ओवर में स्टार्क ने तीन खिलाड़ियों को चलता किया। वहीं वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन और आंद्रे रसेल को दो-दो विकेट मिला।

सूर्या ने लगाया दम

अय्यर और पांडे ने केकेआर को मुश्किल से निकाला

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की पूरी टीम 19.5 ओवरों में 169 रनों पर ऑलआउट हो गई। वेंकटेश अय्यर ने 52 गेंदों पर 70 रन बनाए, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल रहे। वहीं इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे मनीष पांडे ने 42 रनों की पारी खेली। पांडे ने 31 गेंदों की पारी में दो छक्के और इतने ही चौके लगाए। वेंकटेश और मनीष के बीच छठे विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी हुई, जिसने कोलकाता को मुश्किल स्थिति से उबारा। मुंबई की ओर से जसप्रीत बुमराह और नुवान तुषारा ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। वहीं कप्तान हार्दिक पंड्या को दो सफलताएं हासिल हुईं।

इंदौर के बाद अब पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी ने लौटाया टिकट

» सुचारिता मोहंती बोलीं- आगे भी रहूंगी कांग्रेस की सिपाही

» पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल को भेजा ईमेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुरी। देश के अंदर लोकसभा चुनावों को लेकर सियासत गरमाई हुई है। नेताओं द्वारा तीसरे चरण के मतदान के लिए प्रचार जोरों पर हैं। लेकिन इस बीच मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को झटके पर झटके लग रहे हैं। दरअसल, सूरत और इंदौर में प्रत्याशियों के नामांकन खारिज या वापस लेने के बाद अब ओडिशा के पुरी से भी कांग्रेस के लिए बुरी खबर सामने आ रही है।

फंडिंग की कमी को बताया वजह

ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सुचारिता मोहंती ने आर्थिक कारणों का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया है। इससे पहले इंदौर के कांग्रेस प्रत्याशी ने भी नामांकन के बाद अपना नाम वापस ले लिया था। वहीं सूरत लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो गया था।

'कांग्रेसी मूल्य मेरे डीएनए में'

सुचारिता मोहंती ने लिखा कि वह एक नौकरीपेशा पत्रकार रहीं, जो 10 साल पहले ही राजनीति में सक्रिय हुईं। मैंने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंकी और चुनाव प्रचार के लिए लोगों से भी दान लेने की कोशिश की, लेकिन उसमें भी सफलता नहीं मिली। मैंने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से भी अपील की कि वह पार्टी फंड से जरूरी फंडिंग करें ताकि पुरी लोकसभा सीट पर प्रभावशाली प्रचार किया जा सके। मोहंती ने लिखा कि सिर्फ फंड की कमी ही हमें पुरी लोकसभा सीट जीतने से रोक सकती है क्योंकि मैं अपने दम पर चुनाव प्रचार जारी रखने में सक्षम नहीं हूं। मोहंती ने पार्टी टिकट लौटाते हुए कहा कि वह एक कांग्रेसी महिला हैं और कांग्रेस के मूल्य उनके डीएनए में हैं। मोहंती ने लिखा कि मैं आगे भी कांग्रेस की सिपाही रहूंगी।

पार्टी ने पैसा देने से कर दिया इंकार

सुचारिता मोहंती ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी का टिकट लौटाते हुए दावा किया कि उन्हें पार्टी की तरफ से चुनाव लड़ने के लिए कोई पैसा नहीं दिया गया है। सुचारिता मोहंती ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल को ईमेल भेजा है, जिसमें उन्होंने लिखा कि वह सांसद का टिकट लौटा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुचारिता मोहंती ने लिखा कि पुरी लोकसभा सीट पर हमारा चुनाव प्रचार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है क्योंकि पार्टी ने मुझे चुनाव के लिए फंडिंग देने से इनकार कर दिया। ओडिशा कांग्रेस के प्रभारी डॉ अजॉय कुमार ने मुझे खुद ही चुनाव प्रचार का खर्चा उठाने को कहा।

जय शाह के बीसीसीआई सचिव होने पर संजय सिंह ने कसा तंज

परिवार और दोस्तों के लिए काम करते हैं मोदी व शाह

» अग्निवीर योजना को लेकर भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावों के चलते नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले और आरोप-प्रत्यारोप लगाना लगातार जारी है। इस बीच आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक बार फिर भाजपा पर जमकर निशाना साधा है।

संजय सिंह ने बीजेपी पर अग्निवीर योजना को लेकर निशाना साधते हुए अमित शाह के बेटे जय शाह के बीसीसीआई सचिव होने को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि क्या अमित शाह के बेटे को बल्ला पकड़ना आता है? लेकिन, वह बीसीसीआई के सचिव हैं। इसी के साथ आप सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा है।

परिवारवादी है भाजपा

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि क्या अमित शाह के बेटे को क्रिकेट का बल्ला पकड़ना आता है? बीसीसीआई के सचिव बने हुए हैं और हमारे घर के बेटे 17 साल की उम्र में जवान बनेंगे और 21 साल में रिटायर हो जाएंगे। मोदी जी को 73 साल में तीसरी बार मौका चाहिए और 21 साल का जवान रिटायर होकर घर पर बैठेगा। ये लोग घोर परिवारवादी हैं। अपने परिवार और दोस्तों को बढ़ाने के अलावा ना पीएम मोदी के पास कोई काम है, ना अमित शाह के पास, ना भाजपा के पास कोई काम है। हम अपने देश का भविष्य बनाना चाहते हैं मोदी और अमित शाह अपने दोस्तों का भविष्य बनाना चाहते हैं। हम देश के लिए काम कर रहे हैं वे दोस्त के लिए काम कर रहे हैं।

एल्विश पर ईडी ने कसा शिकंजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गौतमबुद्ध नगर। बिग बॉस ओटीटी 2 विनर और यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें कम होने की बजाय आए दिन बढ़ती जा रही हैं। अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गौतम बुद्ध नगर पुलिस द्वारा एल्विश के खिलाफ दर्ज सांपों के जहर सप्लाई मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। दरअसल, एल्विश यादव को 17 मार्च को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद कोर्ट ने एल्विश यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में लुकसर जेल भेज दिया था। हालांकि, एल्विश यादव को इस मामले में 5 दिन बाद एक स्थानीय कोर्ट ने जमानत भी दे दी थी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने दर्ज की एफआईआर

इस बीच प्रवर्तन निदेशालय के एक अधिकारी ने कहा कि एजेंसी की लखनऊ यूनिट ने रैकेट में शामिल बड़ी मात्रा में धन को देखते हुए सांपों के जहर सप्लाई मामले में एल्विश यादव और अन्य के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि ईडी की टीम एल्विश यादव और पुराने मामले में शामिल अन्य लोगों से पूछताछ कर सकती है। मिली जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय की टीम एल्विश के पास मौजूद महंगी कारों के काफिले के बारे में भी जांच करेगी। साथ ही एल्विश के साथ-साथ बड़े होटल रिसॉर्ट्स और फार्म हाउस के मालिकों से भी पूछताछ होगी।

'मोदी के खिलाफ केजरीवाल को लड़ना चाहिए चुनाव'

सपा नेता आईपी सिंह ने की मांग, बोले- इंडिया गठबंधन की दावेदारी होगी मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस समय तिहाड़ जेल में बंद हैं। इस बीच लोकसभा चुनावों के चलते समाजवादी पार्टी के नेता ने केजरीवाल के वाराणसी से पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने की मांग की है। सपा नेता आईपी सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की वाराणसी लोकसभा सीट से आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल या उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को चुनाव लड़ना चाहिए। गठबंधन को इसके बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए।

सपा नेता आईपी सिंह ने वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ गठबंधन की ओर से तीन नाम सुझाए हैं। उन्होंने कहा कि या तो वाराणसी लोकसभा सीट से अरविंद केजरीवाल, उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल या फिर आप सांसद संजय सिंह को पीएम के खिलाफ चुनाव में ताल ठोंकनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि इनके चुनाव लड़ने से वाराणसी में गठबंधन की दावेदारी मज़बूत होगी।

सुनीता केजरीवाल या संजय सिंह भी होंगे मजबूत उम्मीदवार

सपा नेता ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बनारस लोकसभा से दिल्ली के कट्टर ईमानदार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव लड़ना होगा। या उनकी धर्मपत्नी आईएएस रहीं सुनीता केजरीवाल को प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ महिला उत्पीड़न को लेकर नामांकन दाखिल करें। सपा नेता ने मांग की कि आम आदमी के मजबूत स्तम्भ संजय सिंह लड़ें और अवश्य नामांकन करें। इंडिया गठबंधन गम्भीरता से इसपर विचार करे।

कांग्रेस ने अजय राय को बनाया है प्रत्याशी

आईपी सिंह ने कहा कि अगर इनमें से कोई वाराणसी सीट से चुनाव लड़ता है तो भाजपा को हराया जा सकता है। यही नहीं केंद्र में सरकार भी बन सकती है। वाराणसी लोकसभा सीट इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के खाते में आई है। इस सीट से कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को टिकट दिया है। वहीं बसपा की ओर से इस सीट पर मुस्लिम उम्मीदवार अतहर जमाल लारी चुनाव लड़ रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप

» राजभवन में संविदा कर्मचारी के रूप में काम करती है पीड़िता

» पुलिस ने शुरू की आरोपों की जांच

» गवर्नर ने टीएमसी पर लगाए साजिश के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। चुनावी माहौल में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री डॉ. सीवी आनंद बोस पर एक महिला ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर अब बंगाल गवर्नर की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं और मामला गहराता जा रहा है। पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। तो वहीं इस मामले में अब राजनीतिक हलचल भी बढ़ गई है।

कोलकाता पुलिस के सेंट्रल डिवीजन की डिप्टी कमिश्नर (डीसी) इंदिरा मुखर्जी ने बताया कि राज्यपाल के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। इस मामले में एक जांच टीम का गठन किया गया है। हम अगले कुछ दिनों में कुछ संभावित गवाहों से बात करेंगे। साथ ही सीसीटीवी फुटेज के लिए अनुरोध किया गया है।

महिला का आरोप- गवर्नर ने दो बार की छेड़खानी

अगर मामले को जानने का प्रयास करें तो मालूम पड़ता है कि कोलकाता के राजभवन में एक संविदा कर्मचारी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उन्होंने गुरुवार की शाम कोलकाता के हरे स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उनका दावा है कि राज्यपाल ने उनके साथ दो बार छेड़खानी की। पहली बार 24 अप्रैल को फिर गुरुवार शाम को। महिला का आरोप है कि राज्यपाल ने उन्हें बायोडाटा के साथ राजभवन स्थित अपने चेंबर में आने को कहा था, जहां उनके साथ छेड़खानी की गई। उन्होंने पहले राजभवन में स्थित आउटपोस्ट में तैनात पुलिसकर्मियों से इसकी शिकायत की। वहां से उन्हें थाने में जाने को कहा गया। पुलिस की ओर से महिला का परिचय गोपनीय रखा गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।